ग्रामीण कृषि मौसम सेवा
भारत मौसम विज्ञान विभाग
गोविंद बल्लभ पंत कृषि और प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय
उधम सिंह नगर, पंतनगर, उत्तराखंड

मौसम आधारित कृषि परामर्श सेवाएं

दिनांक: 02.01.2024

उधम सिंह नगर(उत्तराखंड) के मौसम का पूर्वानुमान – जारी करने का दिन :2023-01-02 (अगले5 दिनों के 8:30 IST तक वैध)

मौसमकारक	03/01/2024	04/01/2024	05/01/2024	06/01/2024	07/01/2024
वर्षा (मीमी)	0.0	0.0	0.0	0.0	0.0
अधिकतम तापमान(से.)	18.0	19.0	20.0	20.0	20.0
न्यूनतम तापमान(से.)	5.0	6.0	6.0	5.0	5.0
अधिकतम सापेक्षिक आर्द्रता (%)	70	75	70	70	70
न्यूनतम सापेक्षिक आर्द्रता (%)	30	35	30	30	30
हवा की गति (किमीप्रतिघंटा)	1	2	1	1	1
पवन दिशा (डिग्री)	320	320	320	320	320
क्लाउड कवर (ओक्टा)	0	1	0	0	0

सम सारांश / चेतावनी:

पिछले सात दिनों (26 दिसंबर से 1 जनवरी) में 0 मिमी बारिश हुई, तथा अधिकतम और न्यूनतम तापमान क्रमश: 14.0-25.0 और 6.9-10.9 डिग्री सेल्सियस के बीच रहा। इस क्षेत्र में आंशिक बादल छाए रहने के साथ मौसम धूमिल देखा गया। सुबह और शाम की सापेक्षिक आर्द्रता क्रमश: 88-95% और 38-88% के बीच रही। हवा की गति ज्यादातर 1.4-3.3 किमी प्रति घंटे के बीच थी, जो मुख्य रूप से पश्चिमी दिशा से चलती थी। आगामी 5 दिनों के पूर्वानुमान से पता चलता है कि अधिकतम और न्यूनतम तापमान 18.0-20.0 डिग्री सेल्सियस और 5-6 डिग्री सेल्सियस के बीच होने के साथ बारिश नहीं होगी। इस अवधि के दौरान शुष्क मौसम रहने की संभावना है। हवा की गति उत्तर-पश्चिम दिशा से 1-2 किमी प्रति घंटे के बीच होने की संभावना है। 02 जनवरी 2024 को उधम सिंह नगर में अलग-अलग स्थानों पर घने से बहुत घने कोहरे की घटना के बारे में एक नारंगी तथा 03 और 04 जनवरी, 2024 को घने कोहरे की घटना के बारे में एक पीली चेतवनीं दी गयी है।

सामान्य सलाहकार:

मौसम पूर्वानुमान और कृषि मौसम संबंधी सलाह नियमित रूप से "मेघदूत" पर अपडेट की जाती है और बिजली की जानकारी प्राप्त करने के लिए "दामिनी ऐप" भी उपलब्ध है। मेघदूत और दामिनी ऐप को गूगल प्ले स्टोर (एंड्रॉइड उपयोग कर्ता) और ऐप सेंटर (iOS उपयोग कर्ता) से डाउनलोड किया जा सकता है। एनडीवीआई कंपोजिट क्षेत्र में मध्यम कृषि शक्ति को दर्शाता है। विस्तारित रेंज पूर्वानुमान प्रणाली 29 दिसंबर से 04 जनवरी तक कम वर्षा की प्रवृत्ति को इंगित करती है और क्रमशः अधिकतम और न्यूनतम तापमान में सामान्य और सामान्य से ऊपर की भविष्यवाणी करती है। फसल को पाले से होने वाले नुकसान से बचाने के लिए नए बागों में सिंचाई की जानी चाहिए। नए पौधों/अंकुरों को पाले से होने वाली क्षति से बचाना चाहिए। रोग होने के लिए फसलों की नियमित निगरानी के साथ-साथ निराई और गुड़ाई की जानी चाहिए।

लघु संदेश सलाहकार:

क्षेत्र में शुष्क मौसम रहने की उम्मीद है और 2, 3 और 4 जनवरी के लिए घने कोहरे की घटना के बारे में चेतावनी दी गई है इसलिए किसानों को आवश्यकतानुसार सिंचाई करने की सलाह दी जाती है।

फ़सल विशिष्ट सलाह:

फ़सल	अवस्था	फ़सल विशिष्ट सलाह
चना/मसूर	वानस्पतिक/ फूल आना	फूल आने और फली बनने के समय आवश्यकतानुसार सिंचाई करनी चाहिए। फसलों में नियमित रूप से निराई-गुड़ाई करनी चाहिए और आवश्यकतानुसार सिंचाई करनी चाहिए। मसूर में, एफिड अटैक के मामले में अनुशंसित प्रथाओं का पालन किया जाना चाहिए।
राइ एवं तोरिया (लाही) / पीली सरसों	फूल आना/ फली बनना	माहु कीट को नियंत्रित करने के लिए, जब कीट आर्थिक सीमा स्तर (10-15 पौधों पर तने की ऊपरी शाखा में 26-28 माहु प्रति 10 सेमी ऊपरी शाखा) से ऊपर पाए जाने पर डाइमेथोएट 30 ईसी 500 मिली के दर से लगाएं या थियामेथोक्सम 25 डब्ल्यूजी 100 ग्राम के दर से 600-700 लीटर पानी प्रति हेक्टेयर में मिलाकर 10 दिनों के अंतराल पर छिड़काव करना चाहिए। परिपक्व होने पर फसल की कटाई की जानी चाहिए और फूल/फली बनने की अवस्था में सिंचाई करनी चाहिए।
गेहू	वानस्पतिक	देर से बोई गई फसल में खरपतवार निकलने के लिए हाथ से निराई और गुड़ाई की जानी चाहिए या अनुशंसित प्रथाओं के अनुसार रासायनिक अनुप्रयोग किया जाना चाहिए। चौड़ी पत्ती वाले खरपतवारों के लिए 2,4-D 500g या मेटसल्फ्यूरान मिथाइल 4g की दर से 30-35 या 35-40 दिन बाद छिड़कना चाहिए। संकीर्ण पत्ते वाले खरपतवारों के लिए आइसोप्रोट्यूरान 1kg/सल्फोसल्फ़्यूरान 25g/क्लोडीनाफोप 60g का 30-35 दिनों के अंतराल पर छिड़काव किया जा सकता है। आवश्यकतानुसार सिंचाई की जानी चाहिए
जौ	वानस्पतिक	देर से बोई गई फसल की निगरानी की जानी चाहिए और 25-30 दिनों के अंतराल पर निराई-गुड़ाई की जानी चाहिए। आवश्यकतानुसार सिंचाई की जानी चाहिए।
गन्ना	वानस्पतिक	पेड़ी एवं शरदकालीन गन्ने की निगरानी की जानी चाहिए और उचित कृषि कार्यों का पालन किया जाना चाहिए।

बागवानी विशिष्ट सलाह:

बागवानी	अवस्था	बागवानी विशिष्ट सलाह
फूलगोभी	वानस्पतिक	फूलगोभी में हल्की सिंचाई करनी चाहिए। कोल फसलों में लीफ स्पॉट रोग को नियंत्रित करने के लिए, मैनकोज़ेब 75 डब्ल्यूपी का छिड़काव 2-3 बार करना चाहिए।
प्याज	रोपाई	प्याज की फसल की रोपाई जनवरी के पहले सप्ताह तक खाद वाले खेतों में पूरी कर ली जानी चाहिए।
सब्जीमटर	वानस्पतिक/ फूल आना	निराई-गुड़ाई के साथ-साथ तना मक्खी एवं पत्ती सुरंगक कीट के लिए अनुशंसित रासायनिक अनुप्रयोगों का पालन किया जाना चाहिए।
टमाटर/मिर्च	फूल/फल बनना	रोग फैलाने वाले कीटों के लिए फसलों की नियमित जांच की जानी चाहिए और अनुशंसित प्रथाओं के साथ नियंत्रित किया जाना चाहिए।
आलू	वानस्पतिक	आलू में लेट ब्लाइट रोग को नियंत्रित करने के लिए, मैनकोज़ेब 2.5 ग्राम प्रति लीटर पानी के दर से घोल बनाकर छिड़काव किया जाना चाहिए।
आम	पेड़	गुजिया कीट को पेड़ पर चढ़ने से रोकने के लिए इस माह के अंतिम सप्ताह में पेड़ के तने को 40 सेमी ऊंचाई तक बारीक मिट्टी की परत से ढक देना चाहिए। पेड़ के तने को 400 गेज मोटी पॉलिथीन की 25 सेमी चौड़ी पट्टी से लपेटकर मजबूत रस्सी (सुतली) की मदद से बांध देना चाहिए। इसके साथ ही घुन को चढ़ने से बचाने के लिए निचले हिस्से में ग्रीस अवश्य लगाना चाहिए।

पशुपालन विशिष्ट सलाह:

पशुपालन	पशुपालन विशिष्ट सलाह
गाय	पशुओं को ठंड से बचाने के लिए पशुओं के भोजन में तेल एवं गुड़ की मात्रा बढ़ा दें। पशुओं को अजवायन और गुड़ भी खिलाएं। पशुओं को ठंड से बचाने के लिए शेड में उचित व्यवस्था करनी चाहिए। पशुओं को रिंडरपेस्ट रोग (शीतला रोग) से बचाने के लिए टीकाकरण कराना चाहिए। अतिरिक्त ऊर्जा की आवश्यकता के लिए पशु आहार में 10% की वृद्धि की जानी चाहिए।
भैंस	पशुओं को ठंड से बचाने के लिए पशुओं के भोजन में तेल एवं गुड़ की मात्रा बढ़ा दें। पशुओं को अजवायन और गुड़ भी खिलाएं। पशुओं को ठंड से बचाने के लिए शेड में उचित व्यवस्था करनी चाहिए। पशुओं को रिंडरपेस्ट रोग (शीतला रोग) से बचाने के लिए टीकाकरण कराना चाहिए। अतिरिक्त ऊर्जा की आवश्यकता के लिए पशु आहार में 10% की वृद्धि की जानी चाहिए।